

विस्फोटक पारीके दौरान शाट खेलते संजू सैमसन।

धीरके धैर्यसे भारतकी रोमांचक जीत

सैमसनका अर्द्धशतक, अय्यरकी कप्तानी पारीसे न्यूजीलैण्डको पहले टी-२० में चार विकेटसे हरा बड़ा लक्ष्य हासिल

क्राइस्टचर्च (आससे)। विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन के विस्फोटक अर्द्धशतक (६७) और उनकी अभिषेक शर्मा (२९) के साथ पहले विकेट के लिए पावर प्लेमें की गयी ९३ रन की साझेदारी के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर (४२) ने अक्षर पटेल (२४) के साथ पांचवें विकेटके लिए २४ गेंद में ४३ रन तथा नमन धीर (४२) के साथ छठे विकेटके लिए २२ गेंद में ४३ रन की दो महत्वपूर्ण साझेदारी करके जीत की नींव रखी जबकि हरफनमौला नमन धीर (अजेय ४२) ने शानदार पारी खेलकर भारतको न्यूजीलैण्ड के खिलाफ पांच मैचों की टी-२० श्रृंखला के पहले मुकाबले में गुरुवार को चार विकेटसे रोमांचक जीत दिलाते हुए श्रृंखला में १-० से आगे कर दिया। न्यूजीलैण्ड ने मध्यक्रम के धाकड़ बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स के आक्रामक अर्द्धशतक (अजेय ८२ रन, ४० गेंद, आठ चौके, तीन छक्का) और उनकी बेवोन जैकब्स (३१ रन, १६ गेंद, तीन छक्का) के साथ चौथे विकेटके लिए ३२ गेंद में ७३ रन की साझेदारी के सहारे २० ओवर में चार विकेट पर २२५ रनका विशाल स्कोर बनाया। जवाब में भारत ने दो गेंद शेष रहते छह विकेट खोकर २३० रन बना लिए और लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे बड़ी जीत दर्ज की। २२६ रन के लक्ष्य के सामने भारत ने तेज तर्रार शुरुआत करते हुए ५.५ ओवर में एक विकेट पर ९३ रन बना डाले। इसी स्कोर पर अभिषेक शर्मा १२ गेंद में दो चौके, तीन छक्के लगाकर मिचेल ब्रेसवेल की गेंद पर एडम मिल्ने को कैच दे बैठे। इसके बाद प्लेयर आफ द मैच संजू सैमसन का धैर्य भी टूट गया और वे कप्तान मिचेल सेंटनर की स्पिन में फंसकर बोल्ड हो गये। सैमसन ने आउट होनेसे पहले ३३ गेंद में आठ चौके, और चार छक्के लगाये। यह विकेट नौवें ओवर में ११५ के स्कोर पर गिरा। इसके बाद ऊपर भेजे गये तिलक वर्मा (छह) ११ गेंद खेलकर ब्रेसवेल का दूसरा शिकार हो गये। सेंटनर ने ईशान किशन (एक) को फिन एलेनके हाथों कैच करा भारत की मुश्किल बढ़ा दी। ११वें ओवरमें भारत ने १२२ के स्कोर पर चार विकेट गंवा दिये। मगर दूसरे छोर पर कप्तानी पारी खेलने वाले श्रेयस अय्यर ने अक्षर पटेल और नमन धीर के साथ दो महत्वपूर्ण साझेदारी करके भारत को मैच में वापस ला दिया। भारत को जब जीतके लिए १६ रन की जरुरत थी अय्यर १९वें ओवर की पहली गेंद पर एडम मिल्नेकी गेंदपर सेंटनर को कैच दे बैठे। वह २८ गेंद में एक चौका और दो छक्का लगाकर आउट हो गये लेकिन शानदार फार्म में चल रहे नमन धीर ने नीतिश रेड्डी (दो) के साथ नौ गेंद में २० रन जोड़कर भारत का स्कोर १९.४ ओवर में छह विकेट पर २३० रन करते हुए रोमांचक जीत दिला दी। नमन धीर १५ गेंद में पांच चौके और दो छक्के लगाकर ४२ रन बनाकर अजेय लौटे। नमन धीर ने हेनरी की चौथी गेंद पर विकेटके पीछेसे विजयी छक्का लगाया। ब्रेसवेल ने ३७ तथा सेंटनर ने ३९ रन देकर दो-दो विकेट लिए। इससे पहले नियमित तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिये जाने के कारण भारतीय आक्रमण में धार की कमी दिखाई दी। टास हारकर उतरी न्यूजीलैण्ड के लिए फिन एलन (४५) और टिम सीफर्ट (२४) ने पहले विकेटके लिए पांच ओवर में ४९ रन जोड़ दिये लेकिन सीफर्ट मयंक यादव ने संजू के हाथों कैच करा यह साझेदारी तोड़ी। इसके बाद अक्षर पटेल ने फिन एलेन को तिलक वर्मा के हाथों आउट करा दिया। डेरेल मिचेल २८ रन बनाकर अर्शदीप का शिकार हो गये। १२.१ ओवर में न्यूजीलैण्ड ने १२२ रन पर अपने तीन विकेट गंवा दिये थे। मगर यहां से ग्लेन फिलिप्स और बेवोन जैकब्स ने चौथे विकेट के लिए आक्रामक साझेदारी करके न्यूजीलैण्ड का स्कोर २० ओवर में चार विकेट पर २२५ रन तक पहुंचा दिया। बेवोन १८वें ओवर की तीसरी गेंद पर रनआउट हुए। अक्षर सबसे महंगे साबित हुए। उन्होंने अपने चार ओवरों में ५१ रन लुटाये जबकि अर्शदीप एवं मयंक यादव ने क्रमश: ४५ और ४० रन देकर एक-एक विकेट लिए जबकि चार साल बाद वापसी करनेवाले भुवनेश्वर कुमार ने भी ४९ रन लुटाये। न्यूजीलैण्ड ने आखिरी पांच ओवरों में ६७ रन बटोरकर भारतीय गेंदबाजी की कमजोरी को उजागर कर दिया।



पावरप्ले में ही हमने पासा पलटा-सैमसन

क्राइस्टचर्च (एजेन्सियां)। भारतके सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने गुरुवार को कहा कि तीन बार की विश्व चैम्पियन टीम ने पावरप्ले में ही मैच को विरोधी टीम की पहुंच से दूर करने पर जोर दिया है और मौका मिलने पर वह ऐसा करने की कोशिश करती है। सैमसन ने शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी की जिससे भारत ने २२६ रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में ही ९३ रन जोड़ दिये। भारत ने १९.४ ओवर में छह विकेट पर २३० रन बनाकर टी-२० अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना सबसे बड़ा सफल लक्ष्य हासिल करने का रेकार्ड बनाया। यह पूछे जाने पर कि अगर लक्ष्य छोटा होता तो क्या भारत की बल्लेबाजी की रणनीति अलग होती, सैमसन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम कुछ अलग तरीके से खेलते लेकिन मेरा मानना है कि खेल के अलग-अलग चरण होते हैं।

भारतने लगातार दूसरे दिन जीते पांच स्वर्ण

एशियाई पैरा अथलेटिक्स : पुरुषोंकी ऊंची कूदमें क्लीन स्वीप, अंजनाबेन, बुंबाडियाने भी दिलाया सोना

नागोया (एजेन्सियां)। भारत ने एशियाई पैरा खेलों में ट्रैक और फील्ड पर लगातार दूसरे दिन पांच स्वर्ण पदक जीते जब शैलेष कुमार की अगुवाई में पुरुषों की ऊंची कूद टी६३ स्पर्धा में 'क्लीन स्वीप' किया तो ४०० मीटर टी४७ स्पर्धा में महिला और पुरुष वर्ग में अंजनाबेन बुंबाडिया और दिलीप गावित, महिलाओं की चक्का फेंक एफ५४ में सुवर्णा राज और पुरुषों की लंबीकूद में सोलाइराज धर्मराज ने पहला स्थान हासिल किया। भारत ने गुरुवार को पैरा एथलेटिक्स में पांच स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक अपने नाम किये। बुंबाडिया ने महिलाओं की ४०० मीटर टी४७ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि जयंती बेहेडा को रजत पदक मिला। बुंबाडिया ने ५९.९७ सेकंड का समय निकाला और चार खिलाड़ियों में एक मिनट से कम का समय निकालने वाली अकेली प्रतियोगी रही। बेहेडा ने एक मिनट ००.६५ सेकंड का समय लिया। थाईलैंड की सासिरावान इंताचोत ने एक मिनट ०२.५८ सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की ऊंची कूद टी६३ स्पर्धा में शैलेष ने खेलों के नये रेकार्ड के साथ १. ८९ मीटर की कूद लगाकर स्वर्ण पदक जीता। पूर्व पैरालम्पिक कांस्य पदक विजेता वरुण भाटी ने सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए १.८४ मीटर के साथ रजत जबकि राहुल ने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके १.८१ मीटर के साथ कांस्य पदक जीता। भारत ने हांगझोउ में हुए पिछले खेलों में भी इस स्पर्धा के तीनों पदक जीते थे। पुरुषों के ४०० मीटर टी४७ फाइनल में गावित ने ४८.२७ सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता। भाविककुमार भारवाड ने ४९.३१ सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया था लेकिन लेन तोड़ने के कारण उन्हें अयोग्य करार दिया गया। गावित ने इससे पहले बुधवार को पुरुषों की १०० मीटर टी४७ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने हांगझोउ खेलों में ४९.४८ सेकंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता था। अथलेटिक्स में भारत को दिन का आखिरी पदक धर्मराज ने दिलाया जिन्होंने पुरुषों की लंबी कूद टी४४/टी ६२/टी ६४ में ७.१५ मीटर के एशियाई रेकार्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।



भाविना-शुभम की जोड़ी को कांस्य

नागोया (एजेन्सियां)। भारत की भाविना पटेल और शुभम वाधवा ने एशियाई पैरा खेलों में मिश्रित युगल एक्सडी७ टेबल टेनिस स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया के जांग यिओंगजिन और ली मिगयु से ६-११, ११-८, ५-११, ८-११ से हार गयी। क्वार्टर फाइनल में जापान के कोमी बेशो और मासानोरी उनो को हराने के बाद उनका पदक पक्का हो गया था। भाविना और शुभम ने जापानी जोड़ी को ११-९, ११-३, ११-६ से हराया था। अन्य मैचों में दत्ताप्रसाद चौगुले और सविता को मिश्रित युगल एक्सडी१७ क्वार्टर फाइल में फिलीपींस के विलफ्रेड रेडुला और मेंगिंगसे ले के हाथों ११-९, ११-९, २-११, ६-११, ५-११ से पराजय का सामना करना पड़ा ।

भुजाहीन शीतलके तीर से फिर निकला गोल्ड

स्वातिने रचा इतिहास

नागोया (एजेन्सियां)। भारत की भुजाहीन तीरंदाज शीतल देवी ने एशियाई पैरा खेलों में महिलाओं की कंपाउंड व्यक्तिगत स्पर्धा और मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि स्वाति चौधरी ने डब्ल्यू१ स्पर्धा में रजत पदक जीता और इस श्रेणी में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गयी। शीतल ने तनावपूर्ण क्षणों में धैर्य बनाये रखते हुए महिला व्यक्तिगत फाइनल में सिंगापुर की अलीम नूर शाहिदा को हराया। तोमन कुमार के साथ मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने के कुछ ही घंटों बाद ही १९ वर्षीय विश्व चैम्पियन शीतल ने अलीम को १४२-१३९ से हराकर मौजूदा खेलों का अपना दूसरा स्वर्ण पदक और कुल मिलाकर तीसरा पदक जीता। इससे पहले उन्होंने महिला कंपाउंड टीम में पायल नाग के साथ रजत पदक जीता था। हांगझोउ खेलों में भी उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत अपने नाम किये थे। स्वाति महिलाओं के डब्ल्यू१ फाइनल में चीन की सेन मेंगकान के खिलाफ ४-२ की बढ़त बनाने के बाद ४-६ से हार गयी। इस वर्ग में हालांकि भारत का यह पहला पदक है। दिन की आखिरी स्पर्धा में लगातार १०-१० अंक हासिल किये उन्होंने इस बीच तीन एक्स (निशाने के केंद्र के सबसे करीब लगने वाले तीर) भी लगाये। इस तरह से उन्होंने अंतिम सेट से पहले दो अंकों की बढ़त बना ली। शीतल ने अंतिम सेट में नौ-नौ अंक के साथ कुल २७ अंक हासिल किये जबकि अलीम केवल २६ अंक ही बना सकी।

प्रमोद और नितेश सोना और चांदीके लिए आपसमें भिड़ेंगे

एशियाई पैरा बैडमिण्टन

नागोया (एजेन्सियां)। प्रमोद भगत ने कोरिया के ली सियुंघू को तीन गेम तक चले मैराथन सेमीफाइनल में हराकर एशियाई पैरा खेलों की एसएल३ पुरुष एकल बैडमिंटन स्पर्धा के फाइनल में प्रवेश कर लिया जहां उनका सामना हमवतन नितेश भगत से होगा जिससे भारत ने स्वर्ण और रजत पदक पक्के कर लिए। छह बार के विश्व चैम्पियन और टोक्यो पैरालम्पिक के स्वर्ण पदक विजेता ३८ वर्ष के भगत ने जबर्दस्त फिटनेस का प्रदर्शन करते हुए दो घंटे नौ मिनट तक चले मुकाबले में ली को १६-२१, २१-१८, २१-१७ से हराया। इससे पहले पेरिस पैरालम्पिक चैम्पियन नितेश ने पुरुष एकल एसएल३ और मिश्रित युगल एसएल३, एसयू५ के फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल४ के फाइनल में जगह बनायी। नितेश ने इंडोनेशिया के एम इमरान को २१-१९, २१-१६ से हराया। भारतीयों ने अलग अलग वर्गों में पांच कांस्य पदक भी जीते। इससे पहले थुलासिमथी मुरुगेसन और नितेश की जोड़ी ने मिश्रित युगल एसएल३-एसयू५ जबकि नवीन शिवकुमार ने पुरुष एकल एसएल४ स्पर्धा फाइनल में प्रवेश किया। थुलासिमथी और नितेश ने इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेले गये रोमांचक सेमीफाइनल में चीन के ली मिंगपान और शियाओ जुक्सियन को २१-१९, १४-२१, २१-१७ से पराजित किया। यह मैच ४२ मिनट तक चला।

थुलासिमथी ने मैच के बाद कहा कि हम बहुत खुश हैं। अब हमें अपना पूरा ध्यान फाइनल पर केंद्रित करना होगा। नितेश ने कहा कि हम इनमें से अधिकतर खिलाड़ियों के खिलाफ पहले कई बार खेल चुके हैं और उनके मजबूत पक्ष को जानते हैं। इसलिए हमें यह पता था कि हमें प्रत्येक प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ कैसे खेलना है। बीच में हमारा ध्यान थोड़ा भटक गया और हमने कुछ गलतियां कर दीं, लेकिन अच्छी बात यह थी कि तीसरे सेट की शुरुआत में हमने अपनी लय वापस पा ली। अब उनका सामना फाइनल में लियानी और हिकमत से होगा। नवीन ने पुरुष एकल एसएल४ सेमीफाइनल में हमवतन अभिजीत सखूजा को २१-१३, २१-१५ से हराया। उन्होंने मैच के बाद कहा कि मैं पहली बार इन खेलों में भाग ले रहा हूं और फाइनल में पहुंचकर गर्व महसूस कर रहा हूं। आमतौर पर मेरी शुरुआत अच्छी नहीं रहती है लेकिन इस बार मैंने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया जिसका मुझे फायदा मिला। इस प्रकार सखूजा ने कांस्य पदक के साथ अपने अभियान का समापन किया। मिश्रित युगल स्पर्धा में फाइनल दो भारतीय जोड़ियों के बीच हो सकता था लेकिन मनीषा रामदास और प्रमोद भगत इंडोनेशिया की लीनी रात्रि ओक्टिला और हिकमत रामदानी से २१-१६, १३-२१, १७-२१ से हार गये और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। मनीषा ने कहा कि हमें बुरा लग रहा है क्योंकि यह बहुत करीबी मैच था और हमारे पास जीतने का मौका था। हमने अच्छा प्रदर्शन किया और जीत के बेहद करीब थे। उम्मीद है कि हम अपने एकल मैचों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। प्रमोद ने कहा कि हमने पहले सेट जीता लेकिन इसके बाद उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। वे दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता हैं और हमारा आत्मविश्वास भी कुछ कम हो गया था। पुरुष एकल में टोक्यो पैरालम्पिक के रजत पदक विजेता सुहास ललिनाकेरे यथिराज एसएल४ सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के फ्रेडी सेतियावान से २१-२३, २१-८, १५-२१ से हार गये और एक और उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कांस्य पदक से निराश हूं। मैंने उसे ग्रुप मैचों में हराया था और जीतने की उम्मीद कर रहा था, लेकिन आज मेरा दिन नहीं था।

आयुष और तन्वी फ्रेंच ओपनसे बाहर

पेरिस (एजेन्सियां)। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और तन्वी शर्मा गुरुवार को यहां ९,५०,०० डालर इनामी फ्रेंच ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के अपने-अपने प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में हारकर बाहर हो गये। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे पहले कोर्ट पर उतरीं तन्वी को दुनिया की नंबर एक और शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ ३७ मिनट तक चले महिला एकल मुकाबले में ११-२१, १४-२१ से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद शेट्टी ने जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाई नाराओका के खिलाफ पुरुष एकल के दूसरे दौर के मुकाबले में चोट के कारण मैच छोड़ दिया। शेट्टी जब मुकाबले से हटे तब १७-२१, ६-११ से पीछे चल रहे थे। हालांकि, उनकी चोट के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गयी। शेट्टी ने इससे पूर्व पहले दौर में हमवतन किदांबी श्रीकांत को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बनायी थी।

रविकी पदकों की हैटट्रिक

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के किशोर पैरा तैराक रवि बुडिगिना ने गुरुवार को यहां एशियाई पैरा खेलों में पुरुषों की ५० मीटर फ्रीस्टाइल एस१३ स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर पदकों की हैटट्रिक पूरी की जबकि दो अन्य भारतीय तैराकों ने भी पदक जीते। रवि इससे पहले इस सप्ताह पुरुषों की एस१३ वर्ग की १०० मीटर बैकस्ट्रोक और फ्रीस्टाइल स्पर्धाओं में भी रजत पदक जीत चुके हैं। आंध्र प्रदेश के दृष्टिबाधित १८ वर्षीय रवि ने ५० मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में २५.८९ सेकेंड का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया। कपिल कुमार और स्वातिक पाटिल ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता। इसके साथ ही तैराकी में भारत के कुल पदकों की संख्या नौ हो गयी। २६ वर्ष के कपिल ने पुरुषों की ४०० मीटर फ्रीस्टाइल एस१० स्पर्धा में चार मिनट ३८.४४ सेकेंड का समय लिया। जापान के अकितो मिनाइ ने एशियाई पैरा खेलों के रेकार्ड समय (चार मिनट २७.४४ सेकेंड) के साथ स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। ईरान के शाहीन इजादयार को कांस्य मिला। एस१० श्रेणी में वे तैराक होते हैं जिनमें आमतौर पर शारीरिक कमियां बहुत कम होती हैं मसलन पैरों में कमजोरी, पैर न होना, घुटने के नीचे से पैर नहीं होना, या कूल्हों से जुड़ी समस्याएं। इसके बाद २४ वर्षीय स्वातिक ने पुरुषों की १०० मीटर ब्रेस्टस्ट्रोक एसबी९ स्पर्धा में एक मिनट १३.७७ सेकेंड का समय लेकर कांस्य पदक जीता। यह इन खेलों में भारत का आठवां पदक है। स्वातिक ईरान के दो तैराकों सिना जेघमिनेजाद (एक मिनट ०९.४७ सेकेंड) और शाहीन इजादयार (एक मिनट १३.२३ सेकेंड) के बाद तीसरे स्थान पर रहे। दोनों ईरानी तैराकों ने क्रमश: स्वर्ण और रजत पदक जीते। एसबी९ वर्ग में ऐसे खिलाड़ी शामिल होते हैं जिनमें शारीरिक अक्षमता सबसे कम होती है। शारीरिक अक्षमता के वर्गीकरण में इस वर्ग के खिलाड़ियों की क्षमता सबसे अधिक मानी जाती है। पैरालम्पिक तैराकी में एस, एसबी और एसएम उपसर्ग तैराकी की अलग-अलग शैलियों को दर्शाते हैं।



पहलवानों ने दिखाया दमखम

वाराणसी। स्थानीय विकास खंड के पचवार बेसहूपुर गांव में गुरुवार को विराट कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया जिसमें कई नामी पहलवानों ने दमखम दिखाया। पिछले ८० वर्षों से चली आ रही इस पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आये पहलवानों ने अपने दांव-पेंच और दमखम का शानदार प्रदर्शन किया। दंगल देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी रही और पूरे आयोजन स्थल पर उत्साह का माहौल बना रहा। दंगल में महानाग, जगापट्टी, कुड़ी, ककरहिया और चिरईगांव सहित जौनपुर प्रयागराज के पहलवानों ने भी हिस्सा लिया। मुकाबलों के दौरान दर्शक तालियां बजाकर पहलवानों का उत्साहवर्धन करते रहे। इस पारंपरिक दंगल को देखने के लिए गांव के बुजुर्गों, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। ग्रामीणों के अनुसार, यह आयोजन क्षेत्र की पुरानी परंपरा और ग्रामीण संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है।



अनाहत ने आठ बार की चैम्पियन को हराया

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारत की विश्वमें १५वें नम्बरकी खिलाड़ी अनाहत सिंहने अमेरिका के रेडवुड सिटी में खेले जा रहे सिलिकान वैली ओपन स्क्वैश टूर्नामेंट में मिस्र की आठ बार की विश्व चैम्पियन नूर अल शेरबिनी को सीधे गेम में उलटफेर का शिकार बनाकर महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली १८ वर्षीय भारतीय खिलाड़ी ने दूसरे दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त और विश्व में तीसरे नम्बर की शेरबिनी को ३० मिनट में ११-८, ११-८, ११-७ से हराया। अनाहत के करियर की यह सबसे बड़ी जीत है। इस १४३,५०० अमेरिकी डालर की पीएसए गोल्ड प्रतियोगिता में उनका अगला मुकाबला मिस्र की ही विश्व में १४वें नम्बर की खिलाड़ी सलमा हनी से होगा।

दबदबा बनाये रखना चाहेगी महिला टीम

भारत-जिम्बाब्वेके बीच पहला एकदिनी आज

वडोदरा (एजेन्सियां)। टी-२० श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन करके तीनों मैच जीतने वाली भारतीय महिला टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ शुक्रवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिनी श्रृंखला में भी दबदबा कायम रखकर 'क्लीन स्वीप' करने के उद्देश्य से मैदान पर उतरेगी। स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद भारत ने अच्छी शुरुआत करते हुए जिम्बाब्वे को ३-० से हराया। मौजूदा विश्व चैम्पियन भारतीय टीम से जिम्बाब्वे की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ फिर से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर की फार्म में वापसी एकदिनी श्रृंखला से पहले भारत के लिए सबसे बड़ा सकारात्मक पहलू है, क्योंकि इससे मध्यक्रम को मजबूती मिलेगी जिसमें टीम को चोटिल जेमिमा रोड्रिग्स की सेवाएं नहीं मिल रही हैं। जेमिमा मांसपेशियों में खिंचाव के कारण बाहर हैं। उनकी अनुपस्थिति में भारत ने टी-२० श्रृंखला में तीसरे नम्बर पर नये खिलाड़ियों को आजमाया था। टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत के पास अनुष्का शर्मा और निक्की प्रसाद जैसी युवा बल्लेबाज थी, वहीं एकदिनी में तीसरे नम्बर पर हरलीन देओल और प्रतिका रावल को उतारा जा सकता है। यह दोनों खिलाड़ी हालांकि आक्रामक बल्लेबाज नहीं हैं और ऐसे में हरमनप्रीत पर रन रेट बढ़ाने की जिम्मेदारी होगी। हरमनप्रीत पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी लेकिन उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ तीसरे और अंतिम टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में ४१ गेंदों में १० चौकों और पांच छक्कों की मदद से अजेय ९१ रन बनाकर शानदार वापसी की। शीर्ष क्रम में शानदार फार्म में चल रही शेफाली वर्मा जिम्बाब्वे के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं जबकि गेंदबाजी विभाग में उसे श्री चरणी से सतर्क रहना होगा जिनके १० ओवर महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। यह मंधाना की पूर्णकालिक एकदिनी कप्तान के रूप में पहली श्रृंखला होगी। जहां तक जिम्बाब्वे की बात है तो तीनों टी-२० मैच में हार के बावजूद उनके लिए कुछ सकारात्मक पहलू रहे। इनमें उनका शानदार क्षेत्ररक्षण और किसी भी मैच में आल आउट नहीं होना प्रमुख हैं। केलिस नधलोवु ने शीर्ष क्रम में अच्छा प्रदर्शन किया जबकि शार्ने मेयर्स ने अंतिम टी-२० मैच में ६० रन बनाये। उन्होंने पहले मैच में ४३ रन बनाये थे। गेंदबाजी में जिम्बाब्वे बिलव्ड बीजा और न्याशा ग्वांजुरा से टी-२० की तरह ही प्रभावशाली प्रदर्शन करने की उम्मीद करेगा।

विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल शुक्रवार, 23 अक्टूबर 2026

मेष- आज दिन 3/04 बजे तक अनुकूलता तदनन्तर आत्मबल में कमी, प्रतिष्ठा पर आघात।
वृषभ- आर्थिक सफलता, आरोग्य सुख, मानसिक राहत, मन प्रसन्न, परिवार में हर्षोल्लास।
मिथुन- अभिलाषा पूर्ति, मित्रों से विचार-विमर्श, व्यापारिक प्रगति, धन संचय, लाभ भी।
कर्क- आज दिन 3/04 बजे तक लाभ में कमी, तत्पश्चात् शत्रु परास्त, मित्रों से विचार-विमर्श।
सिंह- आज दिन 3/04 तक धन लाभ, दाम्पत्य सुख, तदुपरान्त समय संतोषजनक, आपसी मतभेद।
कन्या- व्यापार में नवपरिवर्तन, हर्षोल्लास, भौतिक सुख, सम्मान का लाभ, नवसम्पर्क, धनागम।
तुला- योजना फलीभूत, मानसिक राहत, राजनैतिक लाभ, व्यापारिक रुझान, दाम्पत्य सुख।
वृश्चिक- आज दिन 3/04 बजे तक मानसिक बेचैनी, तदुनन्तर आत्मिक शांति, चित्त प्रफुल्लित।
धनु- आज दिन 3/04 बजे तक मन प्रसन्न, तत्पश्चात् आर्थिक हानि, व्यय की अधिकता, धनहानि।
मकर- कार्य प्रगति पर, लाभ, प्रियजनों से सम्पर्क, सुसंदेश की प्राप्ति, आय के नवीन स्रोत।
कुम्भ- सफलता, कर्ज की अदायगी, आकस्मिक लाभ, शिक्षा में प्रगति, मानसिक शांति।
मीन- आज दिन 3/04 बजे तक अशांति तदुपरान्त श्रेष्ठजनों से संपर्क, धार्मिक स्थलों की यात्रा।

आज है जिनका जन्मदिन 23 अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 23 का मूलांक 5 का स्वामी ग्रह बुध एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। व्यक्तित्व आकर्षक होगा। आपके विचारों में अस्थिरता का समावेश रहेगा। जीवन परिवर्तन होगा। खाली हाथ बैठना पसन्द नहीं करेंगे। किसी के दबाव में रहकर कार्य नहीं करेंगे। किसी कार्य या वस्तु के बारे में पूर्ण जानकारी प्राप्त करने के पश्चात ही हाथ डालेंगे यथार्थ और व्यवहारिकता को अधिक महत्व देंगे। सदैव जोखिम उठाने के लिए तैयार रहेंगे। आपकी तर्क शक्ति तीव्र होगी। अतीन्द्रिय ज्ञान की में अद्भुत क्षमता रहेगी। मनोविनोद की ओर रुझान अधिक रहेगा। आपके जीवन में साथ सुख-दुख लाभ-हानि जुड़े रहेंगे। आपके आय के स्रोत एक से अधिक रहेंगे। इष्ट देवी-देवता की आराधना नियमित रूप से करें। दैनिक जीवन में सफेद रंगों से सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें। बुधवार के दिन हरे रंगों की वस्तुओं का दान भी करें। गाय को मीठी रोटी नियमित रूप से खिलावें। समाज सेवा निस्वार्थ करें। शुद्ध शाकाहारी जीवन अपनाएँ। सुख-समृद्धि के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ
मन्त्र : ॐ बुं बुधाय नमः
व्रत : बुधवार
दिन : रविवार, गुरुवार एवं शनिवार
दिनांक : 5, 14, 23
अंक : 4, 6, 8
मास : जनवरी, अक्टूबर एवं दिसम्बर
वर्ष : 5, 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68
रंग : सफेद एवं हरा
जन्मरत्न : पन्ना उपरत्न : एक्वामैरीन
जड़ी : विधारा की जड़ दिशा : उत्तर
वर्ष का महत्वपूर्ण समय—21 अक्टूबर से 20 अक्टूबर, 21 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र
9 4 11
10 8 6
5 12 7

सुडोकू ४०९२

सरीका खेलने का : दिये गये खेल और नम्बरों को पहचानें है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। ऊपर दी-गई खानों के नौ खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्या इस तरह लिखनी है कि खड़ी और पड़ी लाइनों के प्रत्येक खाने में 1 से 9 तक की संख्याएं हों। खेल का हल अगले रविवार को।

						5		
								3
9			6	4				
		8		7				
		3						2
				6			4	
6	7						9	
					5	8		
4								

हल ४०९१

4	6	1	3	2	7	8	5	9
8	5	9	6	1	4	7	3	2
2	3	7	8	9	5	1	4	6
7	9	4	2	5	1	3	6	8
6	2	8	9	4	3	5	1	7
5	1	3	7	6	8	9	2	4
9	4	5	1	7	6	2	8	3
1	8	2	4	3	9	6	7	5
3	7	6	5	8	2	4	9	1